

17 ] APX[

18 . . .

19 . . .

Blatt 58 →: Joh 15,25[26-27]-16,[1.2]3-4[5]

Beginn der Seite korrekt

PIE

Stichometrie

|    |  |    |  |
|----|--|----|--|
|    | AY[των]  |    |  |
| 01 | ν]OMΩ [γεγραμμενος] OTI EMISCH[σα]N ME               | 28 |  |
| 02 | δωρεαν. <sup>15,26</sup> οταν ελθη ο π]αPa[κλητος ον | 27 |  |
| 03 | εγω πεμψω υμειν παρα του πρς το πνα                  | 28 |  |
| 04 | της αληθιας ο παρα του πρς εκπορευ-                  | 28 |  |
| 05 | εται εκεινος μαρτυρησει περι εμου                    | 29 |  |
| 06 | <sup>27</sup> και υμεις δε μαρτυρειτε οτι απ         | 25 |  |
| 07 | αρχης μετ εμου εστε <sup>16,1</sup> ταυτα λελα-      | 25 |  |
| 08 | ληκα υμειν ινα μη σκανδαλισθητε·                     | 27 |  |
| 09 | <sup>2</sup> αποσυναγωγους ποιησουσιν υμας           | 28 |  |
| 10 | αλλ ερχεται ωρα ινα πας α αποκ-                      | 24 |  |
| 11 | τεινας υμας δοξη λατρειαν προσ-                      | 26 |  |
| 12 | φερειν τ]Ω Θ[ω· <sup>3</sup> και ταυτα ποιησουσιν    | 28 |  |
| 13 | οτι ουκ εγ]NΩ[σαν τον πρα ουδε εμε·                  | 26 |  |